


18.09.2025:—पत्रावली आज पेशी में ली गई। प्रार्थी अधिवक्ता उपस्थित। प्रार्थी वकील मूल वादपत्र अदम पैरवी/अदम हाजरी हो गया। मूल वाद पत्र खारिज होने के कारण प्रार्थना-पत्र में कोई कार्यवाही शेष नहीं रह जाती। इसलिए अस्थाई निशेषाज्ञा को वर्तमान स्तर पर निरस्त विद्वा किया जाकर उक्त प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा 212 आर.टी.ए. में वर्तमान स्तर पर खारिज कि जाती है। पत्रावली नम्बर से कम की जाकर बाद तरबीज तक मील दाखिल दफ्तर हो


सहायक कलक्टर
एवं उपखण्डाधिकारी
हनुमानगढ़